एंथ्रोपोसीन युग

प्रलिम्सि के लयि:

एंथ्रोपोसीन युग, एंथ्रोपोसीन वर्कगि ग्रुप, GSSP, [होलोसीन युग,](#) भू-वैज्ञानकि युग

मेन्स के लयि:

एंथ्रोपोसीन युग

चर्चा में क्यों?

हाल ही में एंथ्रोपोसीन वर्कगि ग्रुप (AWG) ने प्रस्तावति कयि है कि **एंथ्रोपोसीन** एक नया भू-वैज्ञानकि युग है जो पृथ्वी की व्यवस्था में महत्त्वपूर्ण मानव प्रभाव को दर्शाता है, **यह वर्ष 1950 में शुरू हुआ।**

- AWG एक अंतःवषिय अनुसंधान समूह है जो एंथ्रोपोसीन की जाँच के लयि समर्पति है।
- यदि प्रस्ताव को आवश्यक बहुमत का समर्थन मलिता है, तो अंतर्राष्ट्रीय भू-वैज्ञानकि वज्ञान संघ **अगस्त 2024 में आधकिारकि तौर पर नई वैश्वकि सीमा स्ट्रैटोटाइप अनुभाग और बदि (GSSP)** की पुष्टि कर सकता है।

नोट:. GSSP एक नर्दिष्ट भू-वैज्ञानकि संदर्भ बदि है जो **दो भू-वैज्ञानकि समय इकाइयों के बीच की सीमा** को चहि्नति करता है। यह **पृथ्वी के इतिहास में वभिनि्न अवधयिों को परभिाषति** करने और सह-संबंधति करने के लयि **अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहमत मानक** के रूप में कार्य करता है। भू-वैज्ञानकि समय पैमाने के भीतर **युगों और अन्य प्रभागों की सीमाओं को** स्थापति करने के लयि GSSP महत्त्वपूर्ण है।

पृष्ठभूमि:

- एंथ्रोपोसीन की आरंभकि तथि **कनाडा के टोरंटो के समीप क्रॉफर्ड झील** के साक्ष्य से समर्थति है, जसिमें **रेडयोिधर्मी तत्त्व प्लूटोनयिम के साक्ष्य** प्राप्त हुए हैं।
- वर्ष 1950 के आसपास **प्लूटोनयिम कणों की सांद्रता में उल्लेखनीय वृद्धि** हुई। यह महत्त्वपूर्ण परविर्तन **मानव प्रभाव के स्पष्ट संकेत को प्रदर्शति** करता है जसिके परणािमस्वरूप **एंथ्रोपोसीन युग के प्रमाण** प्राप्त होते हैं।
- क्रॉफर्ड लेक के शोध नषि्कर्षों ने **AWG's की परकिल्पना** के लयि मज़बूत साक्ष्य प्रदान कयि कि **बीसवीं शताब्दी के मध्य के आसपास ग्रेट-एक्सेलेरेशन** की **औद्योगकि तथा सामाजकि आर्थकि गतविधियिों में अभूतपूर्व वृद्धि** ने **पृथ्वी प्रणाली में बड़े पैमाने पर बदलाव** कयि हैं, जो लगभग **11,700 वर्षों के स्थरि स्तर को समाप्त** कर देते हैं। **यह होलोसीन स्थतियिों के साथ एक नए पृथ्वी युग की शुरुआत का प्रतीक** है।

एंथ्रोपोसीन:

- एक शब्द के रूप में **एंथ्रोपोसीन युग को** [औद्योगकि क्रांति](#) **के प्रारंभ में प्रथम बार** नोबेल पुरस्कार वजिता **रसायन शास्त्री पॉल क्रुटज़ेन** तथा **जीव वज्ञान के प्रोफेसर यूजीन स्टोएमर** द्वारा **वर्तमान भू-वैज्ञानकि समय अंतराल को दर्शाने के लयि** गढ़ा गया था, जसिमें पृथ्वी का पारस्थितिकी तंत्र मानव प्रभाव के कारण आमूल-चूल परविर्तनों से गुज़रा।
- इस युग से संबंधति कई घटनाएँ हैं, जैसे- [ग्लोबल वार्मगि, समुद्र के स्तर में वृद्धि,](#) [महासागर का अम्लीकरण](#), बड़े पैमाने पर मृदा क्षरण, घातक [ग्रीष्म लहरों](#) का आगमन, जीवमंडल का बगिड़ना एवं पर्यावरण में अन्य हानकिारक परविर्तन आदि।

होलोसीन युग:

- होलोसीन **वर्तमान भूवैज्ञानिक युग** है, जिसकी शुरुआत लगभग **11,700 वर्ष पूर्व अंतिम प्रमुख हिमयुग के अंत में** हुई थी।
- यह अपेक्षाकृत **स्थिर एवं गर्म जलवायु** के साथ-साथ मानव सभ्यता के विकास की विशेषता है।
- होलोसीन प्लेइस्टोसिन युग का अनुसरण करता है जो **बड़े चतुर्धातुक युग का हिस्सा है।**
- होलोसीन के दौरान पृथ्वी की जलवायु में उतार-चढ़ाव का अनुभव हुआ, यह पूर्ववर्ती हिमयुग की**तुलना में अपेक्षाकृत नरम और अधिक स्थिर स्थितियों का** काल रहा है। इसमें ग्लेशियरों के खिसकने तथा वैश्विक तापमान में वृद्धि से वनों, घास के मैदानों एवं विविध पारिस्थितिक तंत्रों का विस्तार हुआ है।

भू-वैज्ञानिक काल मापक्रम:

- भू-वैज्ञानिकों ने **पृथ्वी के 4.6 अरब वर्ष के अस्तित्व** को **ईयान** (Eon), **महाकल्प** (Era), **कल्प** (Period), **युग** (Epoch) **और आयु** (Age) समय क्रमों में विभाजित किया है।
- **ईयान को महाकल्पों में, महाकल्पों को कल्पों में, कल्पों को युगों में और युगों को आयु में विभाजित** किया गया है।

//

- प्रत्येक विभाजन का संबंध **महत्त्वपूर्ण घटनाओं** से है, जैसे- महाद्वीपों का विखंडन जलवायु में नाटकीय बदलाव और यहाँ तक कि विशिष्ट प्रकार के पशुओं तथा पादपों के जीवन का उद्भव।

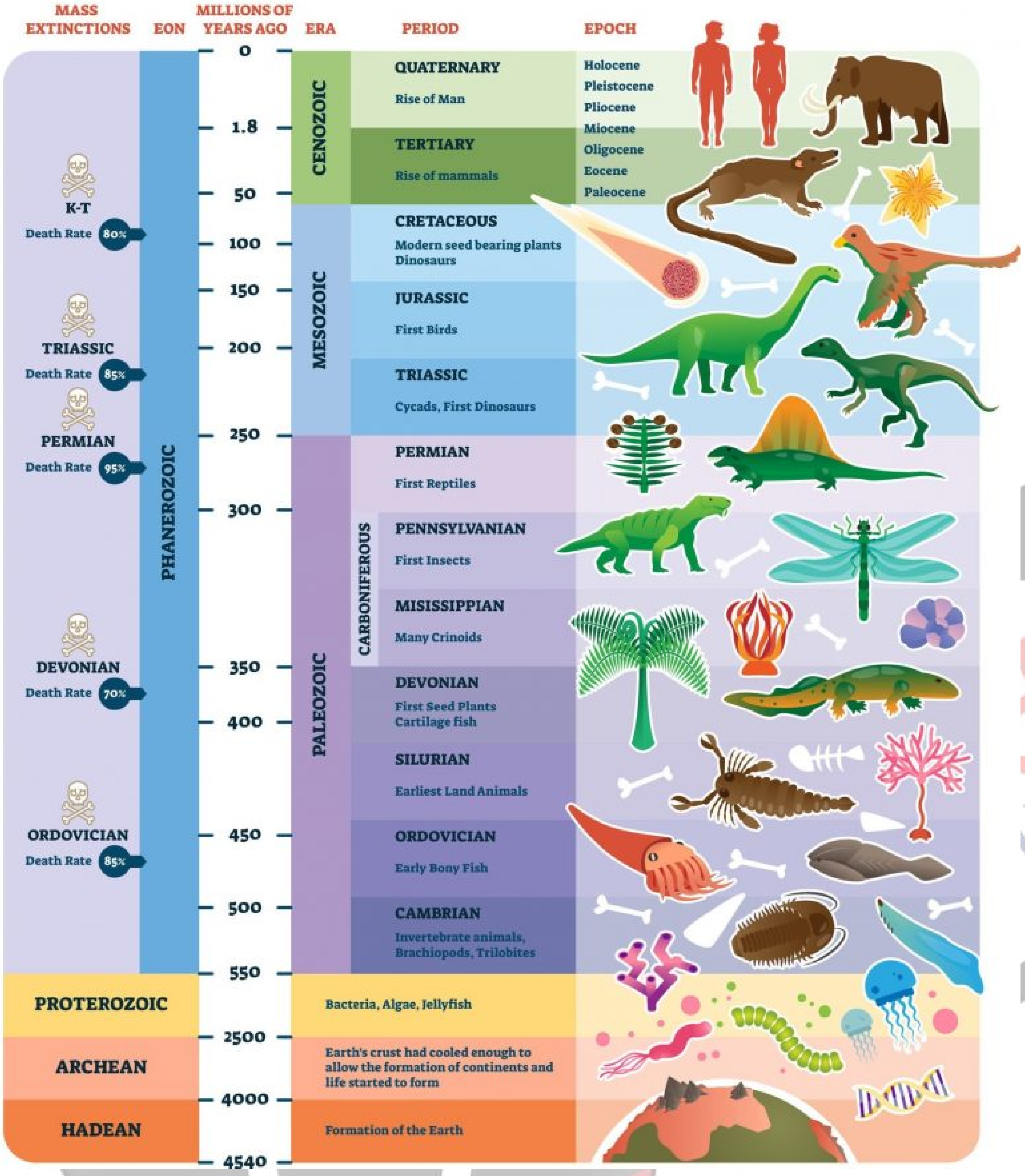

इंटरनेशनल यूनयिन ऑफ जयिोलॉजकिल साइंसेज़:

- इंटरनेशनल यूनयिन ऑफ जयिोलॉजकिल साइंसेज़ (IUGS) **एक वैश्वकि गैर-सरकारी संगठन है जसिका उद्देश्य पृथ्वी वज्ञिान के वकिास को बढ़ावा देना और आगे बढ़ाना है।** यह पेशेवर भूवैज्ञानकि अनुसंधान तथा शक्षिा के लयि अंतर्राष्ट्रीय समन्वय नकिाय के रूप में कार्य करता है।
- IUGS की **स्थापना वर्ष 1961 में हुई थी और यह अंतर्राष्ट्रीय वज्ञिान परषिद (ISC) का सदस्य है।**

[स्रोत: डाउन टू अरथ]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/anthropocene-epoch-1